

सभी वाणिज्यिक संगठन प्रत्येक वित्तीय वर्ष में लेखा परीक्षा की प्रक्रिया से गुजरते हैं। लेखा परीक्षकों की एक टीम खातों की पुस्तकों का विश्लेषण करती है। इस प्रक्रिया में उपयोग की गई और भंडारण में मौजूद सभी इन्वेंट्री की एक भौतिक जांच भी शामिल है। ऑडिटिंग टीम यह भी पता लगाती है और समझती है कि क्या विभिन्न डिवीजन सभी लेनदेन के समय पर दस्तावेज बनाए रखते हैं। लेखापरीक्षक विसंगतियों का पता लगाने का प्रयास करते हैं और उनके द्वारा एकत्रित या तलाशे गए साक्ष्य के आधार पर उनका मूल्यांकन करते हैं। वे अपने निष्कर्षों को संबंधित अधिकारियों को अपने-अपने दृष्टिकोण के साथ प्रस्तुत करते हैं।

लेखा परीक्षा के सामान्य लाभ विविध हैं। इनमें से कुछ निम्न हैं:

ऑडिटिंग टीम यह प्रकट करने में मदद करती है कि संगठन अपने विभिन्न दायित्वों से संबंधित उद्योग के सभी आवश्यक नियमों का अनुपालन करता है। यह उद्योग में संगठन की साख स्थापित करता है।

वित्तीय विवरणों के लेखापरीक्षकों के निष्पक्ष अध्ययन से संगठनों को विकास और विकास योजनाओं को स्वस्थ रूप से बढ़ाने में उनके विभिन्न सुझावों को लागू करने में मदद मिलती है और यह संगठनों की दक्षता को बढ़ाता है।

कुशल लेखापरीक्षक किसी भी संगठन में कपटपूर्ण लेनदेन का पता लगा सकते हैं और समाधान सुझा सकते हैं। इस तरह की पहचान संगठनों को फिर से होने से रोकने में मदद करती है।

ऑडिटिंग संगठनों को भविष्य में तात्कालिक बजट और योजना प्रक्रियाओं का सहारा लेने में मदद करता है।

विभिन्न लेखकों द्वारा लेखापरीक्षा परिभाषा

किसी संगठन के विभिन्न वित्तीय विवरणों की प्रामाणिकता को प्रमाणित करने की प्रक्रिया को ऑडिटिंग के रूप में जाना जाता है। कई प्रसिद्ध

पेशेवरों ने अपने दृष्टिकोण से ऑडिटिंग को परिभाषित किया है। नीचे कुछ लेखकों के विचार दिए गए हैं जो उनके संबंधित इनपुट के लिए प्रसिद्ध हैं:

स्टैंडर्ड ऑडिट प्रैक्टिस-1 के अनुसार, ऑडिटिंग एक वाणिज्यिक व्यवसाय की जांच करता है जो बड़ा या छोटा हो सकता है। यह कुशल पेशेवरों की एक टीम द्वारा संचालित किया जाता है, जो खातों की पुस्तकों के गहन अध्ययन के बाद अपना संचयी मूल्यांकन करते हैं।

इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के अनुसार, ऑडिट का मुख्य उद्देश्य किसी संगठन के सभी वित्तीय और गैर-वित्तीय प्रदर्शनों का अध्ययन करना और उसके सभी वित्तीय रिकॉर्ड और उसके विवरण का मूल्यांकन करना है। ऑडिटिंग प्रक्रिया वित्तीय रिकॉर्ड का आकलन करने के लिए उनके संबंधित विचारों और निर्णयों पर विचार करने के लिए अधिक से अधिक सबूत इकट्ठा करना है।

इसमें शामिल है:

- लापरवाह त्रुटियों को नोटिस करना, जो जानकारी के अभाव में काफी संभावित हैं। इनमें से कुछ में बहिष्करण की त्रुटियां शामिल हैं, जबकि अन्य में मुआवजे, मानकों के साथ-साथ चूक की त्रुटियां शामिल हैं।
- यह देखने के लिए कि क्या किसी संगठन के सदस्य ने अपने लाभ के लिए धोखाधड़ी का अभ्यास किया है। यह धन का गलत उपयोग या गलत रिकॉर्ड का रखरखाव हो सकता है। ऑडिटर ऐसी धोखाधड़ी गतिविधियों को दोबारा होने से रोकने के लिए उन्हें समझने की दिशा में काम करते हैं।
- ऑडिटिंग प्रक्रिया में किसी संगठन द्वारा रखे गए इन्वेंट्री के सटीक मूल्यांकन की जांच शामिल है। यह संगठन को गलत काम करने वालों द्वारा उनके हितों में किए गए गलत मूल्यांकन से भी बचाता है।

